

CONDITIONS OF
TRANSFER OF
TRAINING
AND EDUCATIONAL
IMPLICATIONS

स्थानान्तरण की दशायें (Conditions of Transfer)

“There is a certain amount of transference that can take place under certain conditions.”
—*Ryburn*

स्थानान्तरण को प्रभावित करने वाली कुछ प्रमुख दशायें इस प्रकार हैं—

(1) **सीखने वाले की इच्छा (Learner's Will)**—अन्तरण किसी सीमा तक सीखने वाले की इच्छा पर निर्भर करता है। जब सीखने वाला सीखने के लिये इच्छुक होता है तो अधिगम अन्तरण अधिक होता है और जब उसमें सीखने की इच्छा कम होती है तो अधिगम अन्तरण भी कम होता है।

(2) **सीखने वाले की मानसिक योग्यता (Learner's Mental Ability)**—सीखने वाले की मानसिक योग्यता अर्थात्, बुद्धि जितनी अधिक होती है सीखने का अन्तरण उतना ही अधिक होता है। गैरेट (Garrett) ने अपने अध्ययन में देखा कि निम्न सामान्य बुद्धि वाले छात्रों की तुलना में उच्च सामान्य बुद्धि वाले छात्रों में अन्तरण 20 गुना अधिक होता है।

(3) **समझ (Understanding)**—बालक में समझने की क्षमता जितनी अधिक होगी उतना ही अन्तरण अधिक होगा। इसलिये किसी विषय का अध्ययन समझकर करना चाहिये न कि रटकर। रटकर सीखे गये ज्ञान का अन्तरण नहीं होता। मर्सेल (Mursell)—“जब हम किसी बात को वास्तव में सीख लेते हैं तभी उसका अन्तरण कर सकते हैं।” (Whenever we have really learned anything, we can transfer it.)

(4) **सामान्यीकरण की योग्यता (Ability to Generalize)**—सीखने वाले में अपने पूर्व अनुभवों के आधार पर जितना अधिक सामान्यीकरण करने की योग्यता होगी अन्तरण उतना ही अधिक होगा। रायबर्न (Ryburn) का विचार है, “अन्तरण उसी सीमा तक होता है जिस सीमा तक सामान्यीकरण किया जाता है।”

(5) **विषय-वस्तु की समानता (Similarity in Subject-matter)**—जब दो विषय परस्पर समान होते हैं तब अन्तरण अधिक होता है। इसके विपरीत यदि विषयों में समानता नहीं होती तब अन्तरण भी नहीं होता है, जैसे—गणित का ज्ञान भौतिकी के अध्ययन में तो सहायक होता है लेकिन भाषा के अध्ययन में कोई सहायता नहीं करता।

(6) **शिक्षण-विधियों की समानता (Similarity in Teaching Methods)**—जिन विषयों की शिक्षण विधियाँ समान होती हैं, उनमें अन्तरण होता है और जिन विषयों की शिक्षण-विधियाँ समान नहीं

होतीं उनमें अन्तरण नहीं होता है, जैसे—भौतिकी तथा रसायन की शिक्षण विधियाँ समान होतीं हैं, लेकिन भौतिकी तथा इतिहास की शिक्षण-विधियाँ समान नहीं होतीं।

(7) **विषयों के अन्तरण मूल्य (Transfer Value of Subjects)**—विभिन्न विषयों के अन्तरण मूल्य भिन्न होते हैं, जैसे—गणित तथा विज्ञान विषयों में अन्तरण का गुण अधिक होता है जबकि सामाजिक विषयों में कम। इसलिये गणित तथा विज्ञान में अन्तरण अधिक होता है, अपेक्षाकृत सामाजिक विषयों के।

“School Subjects differ in their transfer value.”

—Garrett

(8) **प्रशिक्षण (Training)**—प्रशिक्षण से अन्तरण की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। अतः किसी विषय में जितना अधिक अभ्यास कराया जायेगा उसमें अन्तरण भी उतना ही अधिक होगा। उदाहरणार्थ—यदि बालकों को यथासम्भव अच्छी बातों का महत्व बताया जाता है तो वे अपने जीवन में इन गुणों का परिचय देने लगते हैं।

(9) **सप्रयत्नशीलता (Deleberation)**—यदि व्यक्ति अपने पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए प्रयासपूर्वक एवं उचित शिक्षण-विधियों के द्वारा नवीन परिस्थिति को समझने का प्रयत्न करता है तो शिक्षण का स्थानान्तरण होता है।

(10) **विषय के प्रति मनोवृत्ति (Attitude)**—किसी विषय को सीखने में यदि हमारी घनात्मक मनोवृत्ति है तो अन्तरण अधिक होगा और यदि ऋणात्मक मनोवृत्ति है तो अन्तरण बहुत कम होगा। इस प्रकार अन्तरण पर हमारी मनोवृत्ति का विशेष प्रभाव पड़ता है।

“The best way to get transfer in school work is to teach for transfer.”

—Garrett

स्थानान्तरण का शैक्षिक महत्व (Educational Implications)—शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में स्थानान्तरण के लिये निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिये—

(1) अध्यापक को कक्षा में अपने छात्रों को सामान्य सिद्धान्तों की अधिक जानकारी देनी चाहिये तथा विशिष्ट सिद्धान्तों की कम।

(2) किसी प्रत्यय को स्पष्ट करने के लिये अध्यापक को दैनिक जीवन से सम्बन्धित पर्याप्त उदाहरण देने चाहियें।

(3) अध्यापक को पढ़ाते समय मुख्य बिन्दुओं पर अधिक ध्यान देना चाहिये।

(4) स्थानान्तरण का पाठ्यक्रम निर्माण में विशेष महत्व है। अतः पाठ्यक्रम में जीवनोपयोगी विषयों को स्थान देना चाहिये।

(5) छात्रों को नकारात्मक अन्तरण के अवसर नहीं दिये जाने चाहियें।

(6) छात्रों से अधिक से अधिक सामान्यीकरण कराया जाना चाहिये।

(7) शिक्षक पढ़ाते समय सह-सम्बन्ध के सिद्धान्त को अपनाये।

(8) शिक्षक बालकों को किताबी कीड़ा न बनायें बल्कि उन्हें कार्यानुभव के माध्यम से शिक्षा प्रदान करें।

(9) छात्रों को उनकी भाविष्यिक योजनाओं के अनुरूप शिक्षा दी जानी चाहिये।

(10) छात्रों को नियमित रूप से स्थानान्तरण के अवसर प्रदान किये जाने चाहियें।

(11) शिक्षक को बालक की मानसिक योग्यता एवं व्यक्तिगत विभिन्नता के अनुसार पाठ्य-विषयों एवं शिक्षण-विधियों का चयन करना चाहिये तथा स्थानान्तरण के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करनी चाहिएं।

(12) शिक्षक को स्थानान्तरण की सफलता के लिये चिन्तन-शक्ति का विकास तथा अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करनी चाहिये। साथ ही, ज्ञानार्जन के लिए बालक को सदैव प्रेरित करते रहना चाहिए।

उपरोक्त बातों के अतिरिक्त शिक्षक को अग्रलिखित बिन्दुओं के आधार पर भी अपनी शिक्षण योजना को स्पष्ट स्वरूप प्रदान करना चाहिये—

- (1) Teacher must decide what he wants to transfer to the child.
- (2) He should help the students to apply their old experiences to the new situations.
- (3) He must learn by experience and experiment as how he should adjust or organize his teaching to allow maximum transfer.
- (4) Teacher should stress the general aspect of all that is learned.
- (5) He must take into consideration the subjective conditions and abilities of the pupils.
- (6) He should take pains to integrate different items of the curriculum so as to bring their affinity.
- (7) Students should be encouraged to detect similarity between two situations.
- (8) The teacher must have the long-run view rather than short-cut merely for the sake of its immediate utility.
- (9) Students must be made conscious of as many widely useful relations as possible.
- (10) Teacher must avoid spoon-feeding his pupils and supplying them all sorts of information himself. He should rather provoke independent thinking in them, create in them a desire to explore and devise the solution of given situations themselves.
- (11) Theory of identical components must be taken into consideration while teaching similar subjects viz. History, Geography and Civics.
- (12) Insight may be promoted by Heuristic method or Project method.
- (13) Teacher must devise appropriate methods of teaching, organise proper school environment and adopt himself a favourable attitude and desirable disposition.

Thus, the teacher can best fulfil his responsibility towards society.